एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 05 (सितम्बर-अक्टूबर, 2023)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

साइबर विस्तार एक आधुनिक कृषि सुचना तंत्र का पर्याय

(*विकास कुमार मीणा)
राजस्थान कृषि महाविद्यालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर (313 001)
*संवादी लेखक का ईमेल पता: vmmeena543@gmail.com

कृषि विस्तार आत्मनिर्भरता और अन्य कृषि संबंधी लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है वर्तमान समय में कृषि की तकनीकी प्रगति के लिए सूचना संचार प्रौद्योगिकी का होना जरुरी है। खेती साधन में प्रौद्योगिकी "जिस तरह से यह किया जाता है।
कृषि प्रौद्योगिकी को दो प्रमुख प्रकारों में संहिताबद्ध किया जा सकता है जिसमें सामग्री प्रौद्योगिकी और ज्ञान आधारित प्रौद्योगिकी शामिल है-

ज्ञान आधारित प्रौद्योगिकी के अंतर्गत, कृषि विस्तार सेवाओं और सूचना प्रौद्योगिकी के सहयोग से ''साइबर विस्तार'' का शब्द आता है द्य साइबर विस्तार एक कृषि जानकारी का आदान प्रदान तंत्र है, परस्पर कंप्यूटर के साथ काल्पनिक स्थान पर दूरसंचार साधनों के नेटवर्क माध्यम है । यह नेटवर्क की शक्ति का इस्तेमाल करता है, कंप्यूटर संचार और इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया से सूचनाओं को प्रदान करता है (विजेकून, 2003)।

क्यों साइबर विस्तार किसानों के लिए महत्वपूर्ण है?

सीधे शब्दों में जवाब है ''साइबर विस्तार उनकी पामटॉप तक पहुंचने के लिए सूचना प्रवाह के द्वार खोलता है कृषि के क्षेत्र में आई सी टी का मुख्य फोकस आवश्यकता के आधार पर किसानों को जानकारी मुहैय्या कराना है । सामान्य कृषि समाचार, नवीनतम तकनीक और प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी, मौसम की भविष्यवाणी, पूर्व चेतावनी और रोग और कीट प्रबंधन की, कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी, इनपुट की कीमतों और उपलब्धता, बीमा के बारे में जानकारी, बाजार की जानकारी, ग्रामीण विकास कार्यक्रमों और सब्सिडी के बारे में जानकारी, आदि किसानों की कुछ अनिवार्य जरूरतें है जोकि कृषि के विकास के लिए आवश्यक होती हैं
साइबर विस्तार करने के लिए कुछ प्रभावी ''जरूरी उपकरण'' स्थापित किए जाने चाहिए जैसे कि वेबसाइट, इ–मेल, इ–समाचारपत्र, विशेषज्ञ पैनल 'प्रदर्शन, विस्तार में जानकारी के लिए संबंधित इंटरनेट ब्राउजिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, कॉल सेंटर, उपग्रह संचार तंत्र, टीवी कार्यक्रम, समाचार और चर्चा समूह इन उपकरणों में शामिल हैं द्य कार्यान्वयन और साइबर विस्तार प्रणाली के सम्मिश्रण में कृषि गतिविधियां क्रांतिकारी हैं

क्यों साइबर विस्तार क्रांतिकारी है?

- लिखना (उदाहरण के लिए: समाचार पत्र, परिपत्र पत्र, पत्रक, और बुलेटिन आदि)
- बोलना (उदाहरण के लिए: फार्म और घर का दौरा, कार्यालय कॉल, कृषि क्लीनिक, और रेडियो और चर्चा बैठक आदि)
- सुनना (उदाहरण के लिए: पोस्टर, चार्ट, प्रदर्शनी, नक्शे और तस्वीरें आदि)
- सुनना और देखना (उदाहरण के लिए: ईमेल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, सीडी, और वीडियो प्रदर्शनय साइबर विस्तार आदि)

साइबर विस्तार की सुविधायें

- मुक्त साइबर स्पेस में संग्रहित जानकारी को प्राप्त करना

- जानकारी का पुरे वर्ष चौबीसों घंटे उपलब्ध रहना
- संचार प्रक्रिया में ई–मेल, चर्चा समूह, और नए समूहों के माध्यम से इंटरैक्टिव होना
- दुनिया भर में किसी भी बिंदु की उपलब्ध जानकारी का उपयोग करना
- साइबर विस्तार के माध्यम से संचार गतिशीलता में तीव्रता का होना

साइबर विस्तार के महत्वपूर्ण उपकरण

ईमेल

ईमेल या इलेक्ट्रॉनिक मेल इलेक्ट्रॉनिक संदेश भेजने और प्राप्त करने के लिए इंटरनेट पर सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला माध्यम है।

टेलनेट एक आवेदन है जोकि किसी दूरस्थ कंप्यूटर पर लॉग ऑन करने की अनुमति देता है। यह एक टर्मिनल यंत्रानुकरण कार्यक्रमों की तरह है।

एफ. टी. पी.

फाइल ट्रांसफर प्रोटोकॉल (एफटीपी) दूरदराज के नेटवर्क का समर्थन करने का एक तरीका है। यह एक प्रोटोकॉल है, जो दस्तावेजों की सरल फाइल स्थानांतरण की अनुमति देता है।

गोफर, आर्ची, वेरोनिका

यह आसान इंटरनेट पर संसाधनों का उपयोग करने के लिए बनाने का पहला प्रयास था द्य हाल ही में 1994 से गोफर सबसे अधिक उपयोगी इंटरनेट उपकरण माना जाता था।

यूजनेट समाचार समूह

वर्तमान में 20,000 से अधिक यूजनेट समाचार समूह श्रेणियों संगठित हैं जो लगभग हित के किसी भी कल्पनीय क्षेत्र को कवर करते हैं द्य समाचार समूह एक बुलेटिन बोर्ड की तरह है जहां पर राय पढ़ सकते हैं और खुद की प्रविष्टियों भेज सकतें हैं।

वर्ल्ड वाइड वेब

वर्ल्ड वाइड वेब, हाइपरटेक्स्ट दस्तावेजों का एक विशाल भंडार होता है जिसमें इंटरनेट की मल्टीमीडिया सेवाओं को हाइपरटेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज का इस्तेमाल कर उपयोग किया जा सकता है।

साइबर विस्तार में इनपुट विक्रेता की भूमिका

साइबर विस्तार कृषि जानकारी के आदान–प्रदान का एक तंत्र है जिसमें तीन प्रणालियों का समावेश है क्रमशः ऑनलाइन परामर्श प्रणाली, फोन आधारित इंटरनेट प्रणाली तथा एंड्रॉयड प्रौद्योगिकी आधारित स्मार्ट टेलीफोन आतें हैं द्य जिसकी सहायता से इनपुट विक्रेता किसानों से संपर्क साध सकते हैं और सूचनाओं को पहुंचा सकते हैं।

किसानों को शहरी और वैश्विक नेटवर्किंग से जोड़ना

ज्यादातर किसान इन प्रणालियों का उपयोग नहीं करते और उनको शहरी तथा वैश्विक व्यापार की जानकारी नहीं मिल पाती द्य इनपुट विक्रेता इसमें बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा किसानों तक उचित जानकारी पहुंचाता है।

बाजार की जानकारी प्रदान करना

बाजार में उत्पादों के दामों का उतार चढ़ाव होता रहता है जिससे बाजार आधारित वस्तुएँ पूर्ति के लिए पहुंचाई जाति हैं अगर किसानों को बाजार के बारे में सही जानकारी नहीं है तो वो अपने उत्पाद की सही कीमत नहीं पा सकते इस परिपेक्ष में इनपुट विक्रेता किसानों को सही समय पर उचित जानकारी उपलब्ध करातें है जिसमें वो साइबर विस्तार के किसी भी तंत्र का इस्तेमाल करते हैं द्य

इनपुट आपूर्ति में आसानी

कभी कभी समय पर बाजार में खाद, उर्वरक, बीज, कीटनाशी आदि की समय पर उपलब्धता नहीं हो पाती और किसानों को बहुत परेशानी होती है जिससे उनके उत्पादन पर असर पड़ता है यदि वो समय से पूर्व इन संसाधनों की जानकारी इनपुट विक्रेता दें तो विक्रेता इसकी आपूर्ति कर सकता है।

अधिक जागरूक होना

ज्यादा उत्पाद की मांग, कृषि आधारित संसाधन की कमी तथा कृषि उपकरणों पर छूट के लिए इनपुट विक्रेता किसानों को समय पर कीमत के बारे में और उपकरणों से सम्बंधित छूट के बारे में फोन से सन्देश भेज कर जानकारी देतें हैं।

मोबाइल भुगतान

पंजीकृत ग्राहकों के द्वारा एम–पेसा खातों का उपयोग कर वस्तुओं की खरीद और भुगतान किया जाता है जिसमें किसान सेल फोन का उपयोग कर इनपुट (बीज, उर्वरक, आदि) खरीद सकते हैं। डिजिटल लेनदेन तत्काल, सुरक्षित, और मजबूती से दर्ज की गई व्यवस्था होती है